महत्वपूर्ण एवं खास

तेंदुआ की खाल व तीर धनुष के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

कोंडागांव (आरएनएस)। जिले के थाना बयानार छेत्र मे वन्य जीव के शिकार एवं तस्करी की सूचना पर पुलिस मौके पर दबिश देकर आदनार पुलिया के पास तेंदुआ खाल बेचने के लिए ग्राहक तलाश में घूम रहे 01 आरोपी बिल्लू कोर्राम पिता सोनू कोर्राम के घेराबंदी कर गिरफ्तार के बाद तलाशी में आरोपी के कब्जे से वन्य प्राणी तेंदुआ का खाल एवं तीर-धनुष बरामद किया गया है। बरामद तेंदुआ खाल के संबंध में आरोपी ने बताया कि 06 माह पूर्व वह अपने घर के तीर धनुष से तेंदुआ को मारा था आरोपी की निशानदेही पर शिकार के घटना में प्रयुक्त तीर धनुष भी जप्त कर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी के कब्जे से बरामद वन्य प्राणी तेंदुआ खाल का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 02 लाख रूपये आंकी गई है। आरोपी का कृत्य धारा 09, 39(1)(2), 51 वन्यजीव प्राणी संरक्षण अधि. 1972 के तहत अपराध पाए जाने से थाना बयानार मे अपराध क्रमांक 03/22 कायम कर आज न्यायालय कोंड़ागांव के समक्ष पेश किया गया।

होली में रहेगी पुलिस की चौक चौबंद व्यवस्था शांति व्यवस्था

- थाना प्रभारीगण गुंडा , निगरानी बदमाशों को थाने तलब कर परेड कराकर दी जा रही समझाइश
- शांतिपूर्ण होली संपन्न कराने शहर में 400 जवान और 25 पेट्रोलिंग पार्टी अलर्ट
- सुरक्षा व्यवस्था के लिये शहर को बांटा गया दो जोन में, 2 एडिशनल एसपी सहित 6 राजपत्रित अधिकारी संभालेंगे शहर में सुरक्षा व्यवस्था
- अनुभागों की जिम्मेदारी अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों पर

रायगढ़। पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीना द्वारा जिले में शांतिपूर्ण होली त्यौहार संपन्न कराने सम्पूर्ण व्यवस्था प्रभारी लखन पटले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को बनाया गया है एवम शहर को दो भागों में विभाजित किये है। प्रथम जोन में कोतवाली एवं कोतरारोड़ का सम्पूर्ण क्षेत्र है तथा द्वितीय जोन में थाना चक्रधरनगर एवं चौकी जूटमिल का क्षेत्र है। शहर में 2 एडिशनल एसपी सहित 6 राजपत्रित अधिकारी, थाना, चौकी प्रभारी और 400 जवान सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं तहसील मुख्यालय में सभी एसडीओपी अपने डिवीजन के पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थाना, चौकी प्रभारी अपने क्षेत्र के गुंडा, निगरानी बदमाशों को थाना तलबकर होली में किसी प्रकार की खलल उत्पन्न न करें, इसकी कड़ी समझाइश दी जा रही है। थाना, चौकियों के साथ यातायात पुलिस तेज गति से चला रहे वाहन चालकों एवं शराब व अन्य मादक पदार्थों की जांच के लिए चौक चौराहों पर वाहनों की जांच कर रहे हैं जो लगातार तीन दिनों तक जारी रहेगा। वहीं होलिका दहन एवं रंग-गुलाल के दिन शहर के प्रमुख चौक चौहान राहों पर फिक्स पॉइंट बल के रूप में तैनात रहेंगे तथा 25 पेट्रोलिंग पार्टी अपने-अपने रूट पर लगातार भ्रमण करेंगे। 2 एडी स्क्वॉड क्विंक एक्शन के लिए वाहन, बलावा सामाग्री के साथ तैयार रहेगा। एक पार्टी एसपी आफिस के पास तथा एक पार्टी को हेमु कलाणी चौक पर रखा गया है। इसके अलावा रिजर्व पार्टी पुलिस कन्ट्रोल रूम में रहेगा। अपातकालीन स्थिति के लिये पुलिस अधीक्षक द्वारा नगर सेना के प्रशिक्षित गोताखोर एवं फायर ब्रिगेड की टीम को अलर्ट किया गया है, गोताखोरों को नदी, नहर पर तैनात किया गया है। आगजनी की घटना पर डायल 112 वह फायर की टीम मौके पर पहुंचेगी। महिलाओं-युवतियों पर किसी प्रकार की छींटाकशी ना हो इसे देखते हुए महिला पुलिस की पेट्रोलिंग भी पेट्रोलिंग करने के निर्देश है।

48 घंटे 400 जवानों और 25 पेट्रोलिंग की निगरानी में शहर

- चिन्हित पाइंट पर तीन सवारी वाहन चालकों की चेंकिग
- शहर के विभिन्न चौक, चौराहों पर ढाई घंटे पुलिस की फ्लैग मार्च

रायगढ़। होली एवं शब-ए-बारात पर्व शांतिपूर्वक मनाने व विधि-व्यवस्था दुरूस्त बनाये रखने के मद्देनजर गुरूवार की शाम पुलिस कंट्रोल रूम में फालिंग हुये पुलिस बल को एएसपी लखन पटले द्वारा ब्रीफ कर लगातार 48 घंटे की ड्यूटी करने के निर्देश दिया गया है। जवानों को शरारती व आपराधिक तत्वों पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिये गए हैं। शहर में चिन्हित पांइट पर तीन सवारी वाहन चालकों के वाहनों की जप्ती की जावेगी जो होली के बाद उन्हेंमिल पायेगा। जिला पुलिस द्वारा शहरवासियों से अपील किया गया है कि वे अपने-अपने पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनायें। किसी प्रकार की विधि व्यवस्था भंग नहीं होने दें। चौक चौराहे पर हुड़दंग नहीं करें। यदि किसी प्रकार की शिकायत मिली तो कार्रवाई होगी। होली एवं शब ए बारात पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर शहर एवं तहसीलों में पुलिस अलर्ट मोड में है।

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर नेशनल वैक्सीनेशन डे

12 से 14 वर्ष के 115 हितग्राहियों को जिला अस्पताल में कोविड 19 टीका लगाया गया

गरियाबंद (आरएनएस) । आजादी के 75 वे. अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला अस्पताल गरियाबंद में नेशनल वैक्सीनेशन डे मनाया गया। जिसमें अधिक से अधिक हितग्राहियों को जागरूक कर टीकाकृत करने के लिये एएनएम -टीकेश्वरी अग्निवंशी एवं त्रिवेणी कुंजाम , मितानिन-रूखमणी पटेल एवं श्यामा बाई ध्रुवे को प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया। कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देशानुसार जिले में कोविड-19 टीकाकरण हेतु 12 से 14 वर्ष के हितग्राहियों को जिला अस्पताल गरियाबंद में 16 मार्च 2022 को 115 हितग्राहियों को कार्बवेक्स वैक्सिन से टीकाकृत कर शुभारंभ किया गया। चरणबद्ध टीकाकरण करते हुए प्रथम 05 चरणों में 18 वर्ष से अधिक के हितग्राहियों को प्रथम व द्वितीय व हेल्थ लाईन वर्कर एवं फ्रंट लाईन वर्कर तथा 60 वर्ष से अधिक हितग्राहियों को बूस्टर लगाया जा रहा है व 6 वें चरण में 12 से 14 वर्ष के हितग्राहियों का टीकाकरण प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन, जिला पंचायत सीईओ रोक्तिमा यादव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एन.आर. नवरत्न, सिविल सर्जन डॉ. जी.एल.टंडन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.बारा जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. रीना लक्ष्मी, बीटीओ., बीपीएम शिक्षा विभाग से श्याम चंद्राकर, एवं शिक्षकगण के उपस्थिति में टीकाकृत किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अपील किया गया है कि कोविड 19 की वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है, कोविड 19 टीका लगाने के उपरांत भी कोविड प्रोटोकॉल (दो गज दूरी, हाथ साबुन से धोना) तथा मास्क पहनना) का पालन अवश्य करें।

स्कूलों में ग्रीष्म कालीन अवधि में कटौती के आधार पर गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विकासखण्डों में ग्रीष्म कालीन अवकाश के अवधि में कटौती के आधार पर गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। समग्र शिक्षा के प्रबंध संचालन नरेन्द्र दुग्गा ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्कूलों में ग्रीष्म कालीन अवकाश में कटौतीकर बच्चों की पढ़ाई हो रही क्षति में कमी लाने के उद्देश्य से प्रत्येक विकासखण्ड में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के सक्रिय निर्देशन में विकासखण्ड को कार्यक्रम इकाई मानते हुए कार्यक्रम का क्रियान्वयन करने के लिए कुशल नेतृत्व प्रदान करें।

जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए पांच मुद्दों-हितग्राहियों का निरंतर क्षमता विकास, शालाओं में नियमित उपयोग लाये जाने हेतु सीखने-सिखाने की सामग्री, कक्षा में उपयोग में लाए जाने हेतु सीखने-सिखाने की प्रभावी नवाचारी तकनीक, निरंतर अकादमिक समर्थन सह-मेंटरिंग, समस्या समाधान एवं प्रोत्साहन तकनीक और कार्यक्रम के निरंतर मॉनिटरिंग एवं आकलन प्रक्रिया पर जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विशेष कार्यदल का गठन कर सभी विकासखण्डों को इस अभियान को तत्काल लागू करें। कार्यक्रम की प्रभाविता का आकलन आगामी सत्र की शुरूआत में बाह्य एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पूर्णतः जिम्मेदार एवं जवाबदेह होंगे।

कार्य दल के लिए विचारार्थ विषय के लिए सभी कार्य दलों की बैठक 20 मार्च तक अनिवार्यतः आयोजित कर प्रत्येक स्कूल में कार्यक्रम पूरी गंभीरता के साथ आयोजित किए जाएं। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार के लिए विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत 5 कार्यदल के गठन का आदेश एवं बैठकों की तिथियों का निर्धारण किया जाए। जिला, विकासखण्ड एवं संकुलों में सभी हितग्राहियों के साथ बेवीनार एवं परिचर्चाओं का आयोजन कर रणनीतियों का निर्धारण कर लिया जाए। पांचों कार्य दल द्वारा तैयार रणनीति सह-कार्ययोजना को सभी के साथ साझा कर उन्हें लागू किया जाए। स्कूलों में टेलीप्रेक्टीज एवं निक्लर एप्प के उपयोग के लिए आवश्यक संसाधन एवं दिशा-निर्देश दिए जाएं। अभियान में बच्चों के सीखने के अवसर देने के लिए आवश्यक सामग्री, अभ्यास पुस्तिका एवं अन्य सामग्री सुलभ करना सुनिश्चित किया जाए। सौ दिनों के अभियान में सभी स्कूलों में विद्यार्थियों की वास्तविक स्थिति की प्रविष्टि सीजीस्कूलडॉटइन पोर्टल में अनिवार्यतः रूप से कर उनका सैंपल चेक किया जाए। अभियान में समुदाय को सक्रिय करते हुए उनसे अधिकाधिक समर्थन लेना एवं बच्चों की उपलब्धि में सुधार हेतु सतत् प्रयास किया जाए। उपचारात्मक शिक्षा कार्यक्रम का क्रियान्वयन-प्राथमिक स्कूल में सरल, उच्च प्राथमिक स्कूलों में नवा जतन, हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल में नियमित उपचारात्मक शिक्षण किया जाए। छोटे बच्चों को घर में रहकर सीखने का अवसर देने के लिए अंगना म शिक्षा कार्यक्रम को अपनाया जाए। विभिन्न स्तरों से सघन नियमित निरीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा 21 से 27 मार्च तक

जनप्रतिनिधियों को सक्रिय सहभागिता के लिए मंत्री भेंड़िया ने लिखा पत्र

- सांसद, विधायकों, नगरीय एवं पंचायत निकाय के जनप्रतिनिधियों से कुपोषण मुक्ति के लिए समुदाय को जागरूक करने का किया अनुरोध

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने जनप्रतिनिधियों ने पत्र लिखकर 21 से 27 मार्च तक पूरे देश के साथ प्रदेश में आयोजित होने वाले स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा में उनके सक्रिय सहभागिता के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने विश्वास जताया है कि कुपोषण के प्रति समुदाय में जनजागरूकता बढ़ाये जाने और प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए ''स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा'' का सभी पंचायत क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी जनप्रतिनिधियों के सशक्त नेतृत्व और मार्गदर्शन से सफल हो सकेगी। उन्होंने प्रदेश के सभी सांसदो, विधायकों और नगरीय तथा पंचायत निकाय के जनप्रतिनिधियों को अवगत कराते हुए लिखा है कि स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी मुद्दों पर सकारात्मक सामुदायिक सहभागिता बढ़ाये जाने हेतु ''स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा'' का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है।

श्रीमती भेंड़िया ने बताया कि कुपोषण एक गंभीर समस्या के रूप में विद्यमान है। कुपोषण के कारण बच्चों का उचित शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास नहीं हो पाता है जिससे पूरा मानव संसाधन विकास बाधित होता। देखभाल एवं उचित खानपान के अभाव में कुपोषित बच्चे कुपोषण के कुचक में फंस जाते हैं। प्रदेश में बच्चों में व्याप्त कुपोषण को समाप्त करने हेतु एकीकृत बाल विकास संवाए, पूरक पोषण आहार कार्यक्रम, मुख्यमंत्री सुपोषण योजना, पोषण अभियान, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना आदि कुपोषण मुक्ति से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

''स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा'' का उद्देश्य 06 वर्ष तक आयु के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना, पोषण, स्वास्थ्य और वेलनेस के मुद्दों पर समुदाय को संगठित और संवेदनशील बनाना, माता-पिता और बच्चों में स्वस्थ बनने के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करना, छूटे हुए बच्चों के लिए आईसीडीएस सेवाओं का विस्तार करना, बच्चों की नियमित विकास की निगरानी तथा 06 वर्ष तक के अधिकांश बच्चों के लिए ऊँचाई, वजन और उम्र के डेटाबेस को मजबूत करना एवं समाज में कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई के लिए वातावरण तैयार करना है।

''स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा'' अभियान के माध्यम से समस्त 0 से 06 वर्ष तक के बच्चों की आयु, वजन एवं उँचाई/लम्बाई का मापन करते हुए पोषण ट्रेकर एप्प पर जानकारी अपलोड की जावेगी जिससे सीधे पोषण का स्तर जाना जा सकेगा। इस कार्यक्रम का अभिनव पहलू यह है कि बच्चों के वजन एवं उँचाई, लम्बाई मापन का कार्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के अतिरिक्त अन्य सहयोगी एजेंसियों यथा लायन्स क्लब, रोटरी क्लब, रेसीडेंट एसोसियेशन, पीडियाट्रिक्स एसोसियेशन, युवा क्लब आदि तथा बच्चों के माता-पिता द्वारा भी यह कार्य किया जा सकता है।

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कड़ी कार्यवाही होगी

गरियाबंद । आरएनएस

कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देश पर जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगाम कसने के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है। फिंगेश्वर विकासखंड अंतर्गत संचालित ग्राम पंचायत परसदा जोशी व ग्राम पंचायत पसौद में स्वीकृत रेत खदान में अवैध उत्खनन की शिकायत मिलने पर आज तहसीलदार एवं डिप्टी कलेक्टर आशीष अनुपम टोप्पो एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। मौका जांच में भी खदान बंद पाया गया। मौके पर मौजूद ग्रामवासी द्वारा बताया कि रेत खदान विगत दो दिनों से बंद है। कलेक्टर ने अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

सरगुजा के 14 गौठानों में शुरू हुआ थ्री टियर केज से मुर्गीपालन

समूह की महिलाओं ने अब तक बेचे 12 लाख के अंडे

अम्बिकापुर। थ्री टियर केज पद्धति से मुर्गीपालन का व्यवसाय अब जिले के 14 आदर्श गोठानों में शुरू हो गया है। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने मुर्गीपालन से अंडे बेचकर अब तक 12 लाख रुपये के आय अर्जित की है। मुर्गीपालन से अच्छी आमदनी मिलने से महिलाएं उत्साहित हैं।

कलेक्टर संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन में 7 आदर्श गोठानों से शुरू हुए मुर्गीपालन अब बढ़कर 14 गोठानो में चल रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा आधुनिक पद्धति मुर्गीपालन किया जा रहा है।पशु चिकित्सा विभाग द्वारा महिलाओं को थ्री टियर केज पद्धति से मुर्गीपालन का प्रशिक्षण दिया गया है। शुरुआत में प्रत्येक गोठान में 250 नग मुर्गी विभाग द्वारा प्रदाय की गई है। अम्बिकापुर जनपद में आदर्श गोठान सोहगा व मेण्ड्रा कला, उदयपुर में सरगवां व सानीबर्रा, लखनपुर में पुहपुटरा व कुंवरपुर, बतौली में मंगारी व तरागी, मैनपाट में उडुमकेला व कुनिया,सीतापुर में सोनतराई व ढेकीडोली, लुंड्रा में बटवाही व असकला गोठान में महिलाओं द्वारा मुर्गीपालन क किया जा रहा है।

पशु चिकित्सक डॉ सी.के. मिश्रा ने बताया कि मुर्गीपालन हेतु भवन का निर्माण मनरेगा से किया गया है जबकि मुर्गियों के लिए आहार एवं दवा की व्यवस्था डीएमएफ से किया गया है। तकनीकी रूप से मुर्गीपालन हेतु प्रशिक्षण और देख-रेख का कार्य पशुपालन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 22 करोड़ रूपये से अधिक लागत से बनने वाले कबीर सागर के उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण कार्य का किया भूमि पूजन

मेले की व्यवस्था हेतु दी जाने वाली 27 लाख रूपए की राशि को बढ़ाकर किया 50 लाख रुपये, अतिथि गृह एवं धर्मशाला बनाने की घोषणा

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दामाखेड़ा मेला में पहुंचे, सद्गुरू कबीर संत समागम समारोह में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के दामाखेड़ा में फाल्गुन पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सद्गुरू कबीर संत समागम समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने 22 करोड़ 43 लाख रूपये से बनने वाले कबीर सागर के उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन किया। साथ ही उन्होंने मेले के विस्तार एवं स्वरूप को देखते हुए इस मेले की व्यवस्था राशि के लिए दी जाने वाली 27 लाख रूपए की राशि को बढ़ाकर 50 लाख करने की घोषणा की है। साथ ही यहां आने वाले पर्यटकों की सुविधाओं के लिए एक नये अतिथि गृह एवं धर्मशाला निर्माण की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने बजट में पूर्व से निर्धारित 75 करोड़ के लागत से नल जल योजना तहत शिवनाथ नदी से कनेक्टिविटी को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। जिससे दामाखेड़ा के आसपास लगभग 50 गावों को फायदा मिलेगा। समारोह में मुख्यमंत्री ने पंथश्री हुजूर प्रकाश मुनि नाम साहेब का स्वागत करते हुए उनसे छत्तीसगढ़ की तरक्की और खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत और गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू एवं विधायक शिवरतन शर्मा ने भी गुरू का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

धर्मगुरू पंथश्री प्रकाश मुनि नाम साहेब ने मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी दफा दामाखेड़ा आगमन पर भूपेश बघेल का कबीरपंथी समाज की ओर से आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिल से कबीरपंथी हैं। कबीर के सिद्धांत और उपदेश को वे शुरू से मानते हैं। विगत 20 सालों से मेरा उनसे गहरा नाता है। उन्होने ने संत समागम में पहुंचकर दामाखेड़ा का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने आज दामाखेड़ा के प्राचीन तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन करके पूरे समाज को एक बड़ी सौगात दिया हैं। इस दौरान उन्होंने कबीर सागर के महत्व को भी बताया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कबीरपंथ का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव है। इसलिए यहां के लोग शांतिप्रिय है और छत्तीसगढ़ पूरे देश में शांति का टापू बना हुआ है। हमारी सरकार कबीर के बताए रास्ते पर चल रही है। दामाखेड़ा के सर्वांगीण विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने आगें कहा धर्मनगर दामाखेड़ा कबीरपंथियों की आस्था का एक प्रमुख केन्द्र है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480